मूल्य 1 रु.

वर्ष: 11 - अंक : 279, मुंबई, मंगलवार, 28 दिसंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

दैनिक मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

नासिक, धुले, नंदुरबार के 31 ठिकानों पर आयकर विभाग ने मारे छापे

240 CRORE का कैश और संपत्ति जब्त

मुंबई। आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के नासिक, धुले और नंदुरबार में अलग-अलग ठिकानों में छापे मारे हैं। इस छापेमारी में 240 करोड़ तक की प्रॉपर्टी और कैश बरामद हुए हैं। जमीन खरीदने बेचने का धंधा करने वाले व्यापारी, सरकारी ठेकेदार और बिल्डर आयकर विभाग के निशाने पर हैं। पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग ठिकानों में आईटी विभाग और ईडी की ओर से लगातार छापेमारियां शुरू हैं। इन छापेमारियों में कुछ बड़ी मछलियां भी पकड़ी गई हैं। इसी सिलसिले में उत्तर महाराष्ट्र के कई इलाकों में आयकर विभाग की छापेमारियां शुरू हैं। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

इस छापेमारी में 6 करोड़ कैश, 5 करोड़ के गहने मिले हैं। प्राप्त जानकारियों के मुताबिक छापेमारियों में सोने के बिस्किट, हीरे-जवाहरात बरामद हुए हैं। इतनी संपत्ति और कैश कैसे जमा किए गए? अब तक इन घोटालों पर किसी का ध्यान कैसे नहीं गया, यह सवाल उठ रहे हैं। जब्त किए गए करोड़ों के कैश, आभूषण और सामान गिनने में 12 घंटे से ज्यादा समय लगा

महाराष्ट्र के मंत्री का अहम बयान

स्कूल-कॉलेज शुरू रखना है या बंद, स्थितियों को देख कर...

जल्द होगा फैसला

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर कोरोना का कहर टूट पड़ा है। साथ ही ओमिक्रॉन के केस भी देश के कुल केस के 25 फीसदी महाराष्ट्र में ही सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में एक बार फिर इस बात को लेकर सवाल किए जा रहे हैं कि कहीं सरकार स्कूल और कॉलेज बंद रखने का फैसला तो नहीं करने जा रही है? **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

आदित्य ठाकरे ने कहा कि, 'फिलहाल क्रिसमस की वजह से स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां चल रही हैं। लेकिन छुट्टियों के बाद स्कूल-कॉलेज शुरू रखना है कि नहीं? इसका फैसला हालात को देखकर जल्दी ही किया जाएगा।'

'स्कूल-कॉलेज बंद होना दु:ख की बात है, लेकिन इन सबसे पहले सबका स्वास्थ्य है'

आगे आदित्य ठाकरे ने कहा कि, कई बच्चों ने दो सालों से स्कूल देखा तक नहीं है। यह बेशक बेहद अफसोस की बात है। लेकिन हमारी पहली और सबसे अहम जरूरत सबका स्वास्थ्य है। ऐसे में हालात को देखते हुए कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं। इस हफ्ते के बाद हालात का जायजा लेकर स्कूल और कॉलेजों को शुरू रखना है या नहीं, इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख अभी जेल में ही रहेंगे

14 दिन बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की जेल जर्नी जारी है। उन्हें सोमवार को राहत नहीं मिली है। देशमुख की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी सोमवार खत्म हो रही थी। अनिल देशमुख फिलहाल मुंबई के आर्थर रोड जेल में हैं। देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग केस में 2 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे 12 घंटे की लंबी पूछताछ की थी। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित किए गए चांदीवाल आयोग ने भी अनिल देशमुख पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र विधानसभा में हुआ जमकर हंगामा!

आदित्य ठाकरे के खिलाफ नितेश राणे की आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर भड़की शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में बीते दिनों राज्य के मंत्री और शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे का मजाक उड़ाया गया। वहीं, पर्यटन मंत्री का मजाक उड़ाते एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था। उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे की विधानसभा में एंट्री के दौरान 'म्याऊ-म्याऊ' की आवाज निकाल कर उनका मजाक बनाया गया था।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अंतरिक्ष की सैर

अंतरिक्ष में भी एक छोटी सी दुनिया बसने लगी है। धरती से करीब 400 किलोमीटर ऊपर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की दिनचर्या के बारे में लोग बहुत कुछ जानने लगे हैं। पृथ्वी की परिक्रमा करते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन अब धीरे-धीरे सहज होने लगा है। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर केश कटाई का वीडियो भी वायरल हो गया है। अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने केश कटवाया है और उनके नाई बने हैं भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री राजा चारी। वैसे तो पहले भी अंतरिक्ष में ज्यादा दिन तक रहे यात्रियों ने केश काटे या कटवाए हैं, लेकिन पहली बार इसका वीडियो अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने ही जारी किया है। अंतरिक्ष में केश कटाई के लिए विशेष हेयर ट्रिमर या केश काटने वाली मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। इस मशीन के साथ वैक्यूम क्लीनर भी जुड़ा हुआ है, ताकि कटे हुए केश हवा में न फैलें। चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन पर चीज लटक सकती है या लटकी रहती है, अतः केश के कतरे को भी छोड़ दिया जाए, तो वह लटक जाएगा और यह भी हो सकता है कि आंखों में घुस जाए या किसी मशीन में जा फंसे। अतः केश काटते हुए वैक्यूम क्लीनर का रहना जरूरी है, ताकि एक-एक कटे हुए केश को इकट्ठा किया जा सके। सबसे बड़ी बात है कि अंतरिक्ष केंद्र पर अब यात्री यथासंभव आनंद भी करने लगे हैं और उन पलों को साझा भी करने लगे हैं। सितंबर महीने में एक अंतरिक्ष यात्री मेगन मैक्आर्थर का वीडियो वायरल हुआ था, जब उन्होंने एक वीडियो शेयर करके बताया था कि अंतरिक्ष में कैसे शैंपू करते हैं। शैंपू करते हुए कैसे एक-एक बूंद पानी को बचाना होता है। यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि पानी की बूंद हवा में न लटक जाए। केश धोने से गंदे हुए पानी को फिर कैसे साफ कर उपयोग में लाया जाता है। वैसे तो यात्रियों को अंतरिक्ष केंद्र पर रहते वर्षों बीत गए हैं, लेकिन साल 2021 एक ऐसा वर्ष है, जब आम लोग भी अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन से ज्यादा परिचित हुए हैं। यह यदि किसी योजना के तहत होने दिया जा रहा है, तो भी इसकी तारीफ होनी चाहिए। अंतरिक्ष का भय जैसे-जैसे कम होगा, दुनिया का लगाव अंतरिक्ष विज्ञान से वैसे-वैसे बढ़ता जाएगा। क्या अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक पर्यटन केंद्र के रूप में चर्चित होने लगा है? इस सवाल का जवाब हां में है। विशेष रूप से इस वर्ष अरबपति और जापान के पहले अंतरिक्ष पर्यटक युसाकु मेजावा के सफल अंतरिक्ष दौरे से काफी फर्क पड़ा है। वह 8 दिसंबर को अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गए थे और वहां 12 दिन रहने के बाद 20 दिसंबर को कजाकिस्तान में उतरे। उनके सहायक योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुरकिन भी उनके साथ आनंद मनाकर लौटे हैं। जापानी व्यवसायी मेजावा को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मेहमान के रूप में याद किया जाएगा। अंतरिक्ष स्टेशन पर 12 दिन रहते हुए मेजावा अपनी अनेक गतिविधियों के वीडियो शेयर करते रहे हैं, जिन्हें दुनिया में खूब देखा गया है। मेजावा के लिए यह अभ्यास है, वह साल 2023 में चांद की सैर पर जाने वाले हैं। वह साथ ले जाने के लिए आठ सह-यात्रियों की तलाश कर रहे हैं। मतलब, अंतरिक्ष का रोमांच आने वाले दिनों में और बढ़ने वाला है।

अच्छी-बुरी घटनाओं के नाम रहा साल 2021

इस साल राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जितनी बड़ी घटनाएं हुईं, उतनी एक साल में अमूमन कम ही होती हैं। इनमें कई अच्छी घटनाएं भी थीं और कुछ बुरी भी। इसी कारण आने वाले वर्ष के प्रति स्वाभाविक ही एक उत्सुकता है।

एक साल में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतनी बड़ी घटनाएं कम ही होती हैं, जैसी कि इस साल हुईं। छह जनवरी, 2021 को वाशिंगटन के कैपिटल में भीड़ ने दरवाजे तोड़ते हुए घुसकर जिस तरह कोहराम मचाया, जिस तरह निर्वाचित सदस्यगणों को हमलावरों से बचते और उपराष्ट्रपति को सुरक्षा के लिए बेसमेंट में छिपते देखा गया था, उन सब से पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई थी। ट्रंप अमेरिका के इकलौते ऐसे राष्ट्रपति हुए, जिन्हें दो बार महाभियोग का सामना करना पड़ा। राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप तो विदा हो चुके हैं, पर अमेरिकी समाज में ट्रंपवाद आज प्रभावी है और नए साल में वह कैसा रूप लेता है, नहीं कह सकते। कोविड-19 से इस साल दुनिया भर में 53 लाख से अधिक मौतें हुईं। जबकि विगत अप्रैल-मई में इसकी दूसरी लहर से भारत में लगभग दो लाख मौतें हुईं। भारत में महामारी की वह त्रासदी अभूतपूर्व थी। श्मशानों में चिताओं की उठती लपटें, ऑक्सीजन के अभाव से जूझते अस्पताल, एक बेड पाने के इंतजार में अस्पताल के कॉरिडोर में अंतिम सांस लेते मरीज, गुरुद्वारों में ऑक्सीजन हासिल करते बीमार लोग, श्रद्धांजलियों से भरे हुए अखबारों के कुछ पृष्ठ, घर लौटने की कोशिश करते हजारों प्रवासी मजदूर और बसों में एक सीट पाने की कोशिश में विफल होने पर पैदल ही सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करते लोगों के विवरणों ने बताया कि महामारी ने किस तरह भारत को उसके घुटनों पर ला दिया था। लेकिन भारत ने अपनी क्षमता दिखाई।

साल के अंत तक 141 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज लोगों को लगाई गई। हालांकि वैक्सीन की दोनों खुराक लेने वाले अभी आबादी का 61 फीसदी ही हैं। ऐसे ही, विगत अगस्त में अफगानिस्तान के हालात ने पूरी दुनिया को हिला दिया। तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा जमा लेने से सैकड़ों भयभीत अफगान नागरिक न केवल देश से भागने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंच गए थे, बल्कि उनमें से अनेक लोग अमेरिकी सैन्य विमान में लटकने की कोशिश कर रहे थे। बाहरी शासकों के डर से देश छोड़कर भागने के वृत्तांत इतिहास में बहुत मिल जाएंगे, लेकिन अफगानिस्तान के लोग तो अपने ही शासकों के डर से देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे। उनके भय ने अफगानिस्तान में वर्ष 2000 में तालिबान के बर्बर शासन की याद दिला दी थी। इस साल अमेरिकी सेना को, जिसे दुनिया में सबसे ताकतवर माना जाता है, वियतनाम युद्ध के बाद सबसे करारा झटका लगा। वह तालिबान से हार गई। तालिबान के खिलाफ 20 साल चले युद्ध में अमेरिका के 10 लाख डॉलर खर्च हुए और अपने करीब 3,500 सैनिकों की जान गंवानी पड़ी। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि काबुल में उन्हीं तालिबान की सरकार गठन में अमेरिका की भूमिका रही! तालिबान के मंत्रिमंडल में कई आतंकवादी हैं, जिनमें से दो पर एफबीआई ने 50 लाख और एक करोड़ का इनाम रखा था। अफगानिस्तान में हार के बाद अमेरिका की सर्वोच्चता स्थापित करने को आतुर बाइडन ने लोकतंत्र पर पहली बैठक (वर्चुअल) का आयोजन किया, जिसमें सौ देशों के नेता थे। लेकिन अमेरिका के दर्जन भर रणनीतिक साझेदारों को ही लोकतंत्र की कोई चिंता न होने, अफगान नागरिकों को तालिबान की दया पर छोड़ देने और बांग्लादेश की अनदेखी कर आतंकवाद के समर्थक पाकिस्तान को बैठक में आमंत्रित करने के बाइडन के फैसले से साफ है कि उस बैठक का आयोजन एक मजाक ही था। भारत ने अभी तक इतना लंबा किसान आंदोलन नहीं देखा था, जितना लंबा इस साल दिखा। कड़ी धूप, ठिठुरती ठंड और मूसलाधार बारिश के बीच किसान डटे रहे। उन पर राष्ट्र-विरोधी और खालिस्तानी होने के आरोप लगे। आंदोलन के दौरान करीब 700 किसानों की मौत हुई, तो कुछ एसयूवी से कुचलकर मारे गए। लेकिन आखिरकार वे सफल हुए और अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने रुख से पीछे हटना पड़ा और किसानों की मांगें माननी पड़ीं। कृषि कानून चाहे रणनीति के तहत वापस लिया गया हो या विधानसभा चुनावों को देखते हुए मजबूरी में-इसने नीति नियंताओं को सबक तो दिए ही हैं।

अगर कृषि कानून पहले ही वापस ले लिए जाते, तो शायद इतने किसानों की जान न जाती, विगत जनवरी में लाल किले में जो दृश्य देखे गए, वे न देखे जाते और न ही सोशल मीडिया पर किसान आंदोलन पर इतना विभाजन दिखता। अगर राजनीति की बात करें, तो पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में 'खेला होबे' का नारा लगाते हुए व्हीलचेयर पर बैठीं ममता बनर्जी ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह के अजेय होने का मिथक ध्वस्त कर इस साल न सिर्फ शानदार जीत अर्जित की, बल्कि विपक्षी खेमे में भी अर्थपूर्ण संदेश दिया। टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो की स्पर्धा में नीरज चोपड़ा को मिले स्वर्ण पदक, जो एथलीट में भारत को मिला पहला स्वर्ण पदक है, और भारतीय हॉकी टीम को 41 साल बाद मिले कांस्य पदक से हम देशवासियों को खुश होने का एक अवसर मिला। लेकिन सवाल यह है कि 1.3 अरब का देश ओलंपिक में 13 स्वर्ण पदक हासिल क्यों नहीं कर सकता। ग्राम प्रधान के पद पर एक तिहाई महिला आरक्षण का फैसला स्वागतयोग्य है, इसके अलावा भी केंद्रीय कैबिनेट, संसद, सिविल सेवा, न्यायपालिका, शिक्षण क्षेत्र, रक्षा बल और मनोरंजन उद्योग में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सुखद है। मगर आजादी के 75 साल बाद भी कन्या भ्रूण हत्या, ऑनर किलिंग, दहेज हत्या और सामूहिक बलात्कार के बढ़ते मामले और खाप पंचायतों के फरमान निराश करते हैं। ग्लासगो स्थित पर्यावरण शिखर बैठक में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की अनेक घोषणाएं हुईं, वहां प्रधानमंत्री मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल के बारे में भारत की प्रतिबद्धता के बारे में बताने के अलावा तीन शपथ भी ली।

लेकिन तकनीकी और फंड के हस्तांतरण के बिना ठोस ईंधन से गैर ठोस ईंधन की ओर मुड़ना आसान नहीं होगा। चीन के साथ गतिरोध मामले में 17 दौर की वार्ता और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद भी समाधान निकलना अभी शेष है। पाकिस्तान और नेपाल के साथ हमारे रिश्ते कोई खास नहीं रहे, लेकिन बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती के मौके पर दोनों देशों के बीच गर्मजोशी दिखी। वर्ष 2021 के इतने घटनाबहुल होने के कारण आने वाले वर्ष 2022 के प्रति स्वाभाविक ही एक उत्सुकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अगामी आने वाले चुनाव को देखते हुए मंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा किया गया शिवसेना कार्यालय का उद्घाटन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 26 दिसंबर रविवार शाम को शिलफाटा परिसर के निकट शिवसेना कार्यालय का उद्घाटन राज्य के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा किया गया। इस मौके पर रमेश काटे को शिल देसाई का प्रमुख पद से नवाजा गया और उनके साथ 50 से अधिक लोगों ने शिवसेना पार्टी में प्रवेश किया बताया जा रहा है। रमेश काटे की इस परिसर में अच्छी छवि है और जनता में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आने वाले आगामी मनपा चुनाव में इनको शिवसेना बतौर उम्मीदवार पद के लिए नामांकित कर सकती है। फिलहाल इस उद्घाटन समारोह में गोपाल लैंडगे के साथ नगरसेवक शिवसैनिक कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे

ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवसेना के दिग्गज नेता धर्मवीर आनंद डीघे की याद ताजा कर दी और बताया उनकी वक्त में कई जगह पर शिवसेना कार्यालय का उद्घाटन किया गया था और उसमें से यह एक कार्यालय भी थी इसको नए सिरे से उद्घाटन किया गया है इस इलाके की जनता का जो भी काम है वह किया जाएगा जो भी तकलीफ है परेशानियां हैं उसको दूर करने की पूरी कोशिश की जाएगी ऐसा नहीं है कि आगामी चुनाव को देखते हुए यह कार्य किया जा रहा है हम चुनाव को देखकर कोई काम नहीं करते हम पहले भी काम करते थे और अभी भी काम करते है शिवसेना पार्टी की तारीफ करते हुए कहा शिवसेना पार्टी हमेशा जनता के लिए आवाज उठाती थी और अभी भी उठाएगी पत्रकार द्वारा पूछा गया सवाल कि आने वाले आगामी चुनाव में क्या शिवसेना और एनसीपी गठबंधन करेगी इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में आघाड़ी सरकार है और कई जगहों पर शिवसेना एनसीपी में गठबंधन हुआ है लेकिन अभी फिलहाल आघाड़ी सरकार से बात करने के बाद क्या निर्णय निकलता है वह सामने आ जाएगा गौरतलब बात यह है अभी आने वाले आगामी चुनाव में सभी पार्टी द्वारा चुनाव की तैयारी में जुट गई है अभी तो शुरूआत है अभी सभी पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन होता हुआ नजर आएगा।

कांग्रेस के पूर्व महापौर नईम खान बने ठाणे जिला के कार्यध्यक्ष और कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आगामी आने वाले मनपा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। हर पार्टी अपने अपने रणनीति बनाने में लगी हुई है। इसको देखते हुए महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और प्रदेश के कार्यध्यक्ष पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान की मौजूदगी में कांग्रेस के पूर्व महापौर नईम नजीर खान को ठाणे जिले का कार्यध्यक्ष पद से नवाजा गया और कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया। यह पद ग्रहण समारोह ठाणे के कांग्रेस कार्यालय में

संपन्न हुआ इस कार्यक्रम में तमाम कांग्रेसी नेता कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे कयास लगाया जा रहा है नईम खान के पद ग्रहण करने के बाद कांग्रेस पार्टी में जाना आ जाएगी और सत्ताधारी पार्टी के लिए वह चुनौती बंन कर आने वाले आगामी चुनाव मैदान में उतरेंगे यह चर्चा बाजारों में गरम है। गौरतलब बात तो यह है आने वाले आगामी मनपा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को कितना फायदा उनके द्वारा पहुंचाया जाता है और वह कांग्रेस पार्टी को कितना मजबूत बना सकते हैं यह देखने वाली बात होगी फिलहाल उनके पद नियुक्ति पर उनके चाहने वालों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

महात्मा गांधी पर अपमानजनक टिप्पणी

महाराष्ट्र सरकार ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने महात्मा गांधी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए हिंदू धार्मिक नेता कालीचरण महाराज के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का सोमवार को आश्वासन दिया। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने राज्य विधानसभा में यह मुद्दा उठाया और मांग की कि धार्मिक नेता पर राजद्रोह के लिए मुकदमा दर्ज किया जाए और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के रायपुर में रविवार शाम को एक 'धर्म संसद' के दौरान कालीचरण महाराज ने राष्ट्रपिता के खिलाफ कथित तौर पर एक अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया और उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे की तारीफ की थी। बाद में कांग्रेस के एक नेता की शिकायत पर रायपुर में धार्मिक नेता के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गयी। महात्मा गांधी के खिलाफ उनकी टिप्पणियों का मुद्दा सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में भी उठाया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक ने सदन में कहा कि कालीचरण महाराज महाराष्ट्र में अकोला से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कहा कि उन पर राजद्रोह के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सुधीर मुनगंटीवार ने पूछा कि महा विकास आघाडी सरकार क्या कर रही है और कालीचरण महाराज के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही। कांग्रेस सदस्य नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार ने भी मलिक की मांग का समर्थन किया। इस पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि मलिक और वडेट्टीवार सरकार के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा, कार्रवाई करना सरकार का काम है। एमवीए सरकार कालीचरण महाराज की टिप्पणियों पर एक रिपोर्ट मांगेगी और सख्त कार्रवाई करेगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नासिक, धुले, नंदुरबार के 31 ठिकानों पर आयकर विभाग ने मारे छापे

प्राप्त जानकारियों के मुताबिक उत्तर महाराष्ट्र में पिछले पांच दिनों में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 31 ठिकानों पर छापेमारियां की हैं। नासिक, धुले, नंदुरबार में की गई इन छापमारियों में करीब 240 करोड़ का कैश और संपत्ति जब्त की गई है। इनमें से 6 करोड़ कैश, 5 करोड़ के गहने शामिल हैं। इतनी संपत्ति और कैश कैसे जमा किए गए? अब तक इन घोटालों पर किसी का ध्यान कैसे नहीं गया, यह सवाल उठ रहे हैं। यह छापेमारी इस तरह ताबडतोड़ और अचानक बेहद मुस्तैदी से हुई कि किसी को कुछ हवा भी नहीं लगा और भूमाफियाओं, भ्रष्ट ठेकेदारों और बिल्डरों की हवा टाइट हो गई। जब कैश, आभूषण और संपत्तियों के कागजात निकलने शुरू हुए तो निकलते ही गए। जब्त किए गए करोड़ों के कैश, आभूषण और सामान गिनने में 12 घंटे से ज्यादा समय लगा। संबंधित लोग इन खजानों का कोई संतोषजनक हिसाब नहीं दे पा रहे थे, बस वे सिर नीचे करके बैठे रहे और अधिकारी अपना काम करते रहे। प्राप्त जानकारियों के मुताबिक इन छापेमारियों में सोने के बिस्किट, हीरे-जवाहरात बरामद हुए हैं। इन कार्रवाइयों को करने के लिए एक साथ 22 गाड़ियों की सेवाएं ली गईं और 174 कर्मचारी और अधिकारियों ने मिलकर अलग-अलग ठिकानों में छापेमारियों को अंजाम दिया। ये सभी अधिकारी छोटी-छोटी टीम बनाकर अलग-अलग ठिकानों पर पहुंचे और रेड्स को अंजाम दिया। छोटी-छोटी टुकड़ियों में अधिकारियों के बंटे होने की वजह से एक ही समय में कई जगहों में छापेमारियों को अंजाम दिया जा सका। अधिकारियों की टीम के साथ पुलिस दस्ते मौजूद थे और तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था साथ रही।

स्कूल-कॉलेज शुरू रखना है या बंद...

इन सवालों का जवाब सोमवार को महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने दिया। आदित्य ठाकरे ने यह बेलाग और बेबाक शब्दों में कहा कि, ओमिक्रॉन का खतरा और एक बार फिर कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने से नई चुनौती सामने आई है। ऐसे में हालात पर नजरें बनी हुई हैं। हालात देखकर जल्दी ही इस बारे में फैसला किया जाएगा। आदित्य ठाकरे मुंबई विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेने के लिए आए हुए थे। यहां पत्रकारों द्वारा सवाल किए जाने पर उन्होंने यह बयान दिया। आगे आदित्य ठाकरे ने कहा कि, फिलहाल स्थिति गंभीर नहीं है लेकिन संक्रमण के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में हम सबको अपनी जिम्मेदारियां समझनी होंगी। भीड़-भाड़ को टालना और मास्क लगाना सबके लिए जरूरी है। फिलहाल क्रिसमस की वजह से स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां चल रही हैं। लेकिन छुट्टियों के बाद स्कूल-कॉलेज शुरू रखना है कि नहीं? इसका फैसला हालात को देखकर जल्दी ही किया जाएगा।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री देशमुख अभी जेल में ही रहेंगे

दरअसल यह जुर्माना इसलिए लगाया गया था क्योंकि देशमुख के वकील बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे से पूछताछ के समय बहस के लिए उपस्थित नहीं हुए थे। यह जुर्माना सीएम राहत कोष में जमा कराने का निर्देश दिया गया था। गिरफ्तारी के बाद देशमुख को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उन्हें ईडी की हिरासत में भेजा था। इससे पहले ईडी द्वारा पांच बार समन भेजे जाने के बावजूद वे पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए थे। किसी ना किसी बहाने से वे पूछताछ से बचते रहे थे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय में अपने खिलाफ ईडी और सीबीआई द्वारा की जाने वाली पूछताछ पर सवाल उठाए थे।

महाराष्ट्र विधानसभा में हुआ जमकर हंगामा!

इसको लेकर शिवसेना और बीजेपी विधायक आमने सामने आ गए। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा में शिवसेना विधायक सुहास कांदे ने आदित्य ठाकरे के अपमान का मुद्दा उठाया। इस दौरान सुहास कांदे ने कहा कि नितेश बार-बार आदित्य ठाकरे का अपमान कर रहें है। हम इसे सहन नहीं करेंगे। वहीं, शिवसेना विधायक सुनिल शिंदे ने सदन में कहा नितेश राणे लगातार आदित्य के खिलाफ बयानबाजी कर रहें है। फिलहाल इस गलती को माफी नहीं किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि नितेश राणे को निलंबित किया जाए। बता दें कि विधानसभा सत्र के दूसरे दिन बीजेपी विधायक विधानभवन की सीढ़ियों पर बैठकर आंदोलन कर रहें थे। उस दौरान आदित्य ठाकरे वहां पहुंचे और विधानभवन में प्रवेश करने लगे। ऐसे में आदित्य को देखते ही नितेश राणे जोर जोर से 'म्यांऊ म्यांऊ' बोलने लगे। नितेश की आवाज सुनकर कुछ बीजेपी विधायक हंसने लगे। इस पर नितेश भी हंसने लगे। जब नितेश से पुछा गया की आपने ऐसा क्यों कहा तो नितेश बोले की मैं हर बार बोलुंगा बार बार बोलुंगा।

जोर शहीदी दिवस पर काव्यगोष्ठी एवं परिचर्चा के माध्यम से गुरु गोविन्द सिंह के दोनो छोटे सुपुत्रों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई। जोर शहीदी दिवस के अवसर पर पत्रकारिता मिशन संस्था द्वारा संस्था कार्यालय हनुमान नगर कांदिवली पूर्व में काव्यगोष्ठी एवं परिचर्चा आयोजित कर गुरु गोविन्द सिंह के दोनो छोटे सुपुत्रों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार राजेश विक्रांत जी ने की और प्रमुख वक्ता के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार नामदार राही व वरिष्ठ शिक्षक गंगा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे। काव्यपाठ कवि राम सिंह, प्राध्यापक जेपी सिंह, कल्पेश यादव, राकेशमणि तिवारी, हरिश्चंद्र सिंह, संदेश मुकुन्द दुबे तथा नेपाल निवासी सुरेण पोखरेल ने किया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री विक्रांत ने कहा कि यह निर्विवाद सत्य है कि हम अपने आदर्शों को भूल चुके हैं। उन्होंने कहा कि - उन्हें भी तब जोर शहीदी दिवस का भान हुआ जब शैक्षणिक गतिविधि में संलग्न सुपुत्र और उसके सहपाठी के लिए एक स्क्रिप्ट तैयार करने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। आगे उन्होंने ऐसे विषयों पर परिचर्चा आयोजित करने के लिये पत्रकारिता मिशन संस्था की प्रशंसा की एवं आभार जताया। प्रमुख वक्ता के तौर पर उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार नामदार राही ने जहाँ उस दौरान के इतिहास और गुरु गोविन्द सिंह के परिवार के त्याग का उल्लेख कर उपस्थित सभी अतिथि एवं श्रोताओं के नेत्र सजल कर दिये वहीं प्रखर वक्ता गंगा प्रसाद तिवारी ने इन्हीं शहीदों के नाम पर बाल दिवस मनाने की अपील की। उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये पत्रकारिता मिशन संस्था के अध्यक्ष राकेशमणि तिवारी ने कहा कि पाराशर स्मृति कलियुग की अंतिम स्मृति है जिसमे इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि-धर्म, समाज और मातृभूमि की रक्षा के लिये शहीद होने वालों के लिये सीधे स्वर्ग का द्वार खुला रहता है और स्वर्ग की अप्सराओं मे इस बात की प्रतिस्पर्द्धा होती है कि यह मेरा पति बने, जबकि उसी स्वर्ग और मोक्ष की आकाँक्षा के लिये ऋषियों- मुनियों को जन्म जन्मांतर तक तप करने होते हैं। आगे उन्होंने कहा कि -जेहाद और बहत्तर हूरों की कल्पना भी यहीं से उपजी है जो इस बात का प्रमाण है कि,साहित्य की चोरी आज से नहीं अपितु बहुत पहले से विद्यमान है । कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष राम सिंह ने किया। कार्यक्रम के सहयोगी के तौर पर पत्रकार दिनेश वर्मा, संस्था के सचिव विनय प्रकाश दुबे, कोषाध्यक्ष अनुराग मिश्र, अरूण कुमार तिवारी, गोविन्द तिवारी, विकास पाण्डेय, चन्द्रगुप्त चौहान, रविन्द्र कुमार सिंह एवम शिवम तिवारी का नाम उल्लेखनीय है।

सावधान? आप टोंक जा रहे हैं तो यहाँ न्याय की उम्मीद मत करिएगा क्योंकि यहाँ सब कुछ संभव है

टोंक जेल चौथ वसूली मामले में अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह तोमर ने कराई एसएचओ के खिलाफ एफआईआर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। सावधान! अगर आप न्याय के लिए राजस्थान की टोंक जेल में जा रहे हैं तो वहाँ न्याय की उम्मीद तो बिलकुल मत करिएगा क्योंकि आरोपियों और खाकी की आपसी सांठगांठ से सरकारी दस्तावेजों में फेरबदल करने पर कुछ भी संभव हैं! राजस्थान की टोंक जेल में खाकी वर्दी धारियों द्वारा सरकारी दस्तावेजों में भारी फेरबदल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ संबंधित पुलिस थाना अधिकारियों द्वारा जेल में चौथ वसूली के आरोपियों को सीधा सीधा बचाने का खाका तैयार कर लिया है! राजस्थान की टोंक जिला जेल मे हवालाती बंदियों से चौथ वसूली के सनसनीखेज मामले मे एक और नया मोड़ आ गया हैं, जहाँ इस मामले कि जाँच अभी जारी हैं और गिरफ्तारियां भी शुरू हो चुकी हैं, वहीं देखा जाए तो इस मामले का खुलासा करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया भी हाथ धो कर इस मामले के पीछे ही पड़ गए हैं और वह दोषियों को सजा दिलाने मे कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं! इस पूरे प्रकरण मे वो पहले भी कोर्ट के आदेश से जेल के कैदीयो व जेल अधिकारियों के विरुद्ध थाना कोतवाली टोंक में मुकदम्मा नंबर 293/2020 दर्ज करा चूके हैं, उसके बाद उनकी शिकायत पर एक मुकदम्मा खुद आई जी जेल आलोक वशिष्ट ने मुकदम्मा नंबर 130/2021 थाना कोतवाली टोंक मे अलग से दर्ज करा चूके हैं, जिन पर कार्यवाही चल ही रही हैं और हाल ही में एक गिरफ्तारी भी इस मामले में हो चुकी हैं! इसी बीच इस मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया हैं एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया ने सीजेएम कोर्ट टोंक के आदेश से एक और नई एफ आई आर नंबर 416/2021 थाना कोतवाली टोंक के तत्कालीन थानाधिकारी एसएचओ किशन यादव, जाँच अधिकारी एएसआई प्रभु सिंह राजावत व कम्प्यूटर ऑपरेटर एफआईआर दर्ज कर्ता सिपाही के विरुद्ध जेल चौथ वसूली की पूर्व मे दर्ज कराई उनकी एफआईआर मे व सरकारी दस्तावेजों मे आरोपियों से मिल कर उन्हें लाभ पहुँचाने के लिए फेर बदल करने पर भा.द.स. की धारा 166ए ,167, 218, 409, 465, 466, 201,120बी, 34 के तहत दर्ज कराई हैं! राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को इस बाबत जानकारी और दर्ज एफआईआर की प्रतियां देते हुए एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि उनके द्वारा पूर्व में कोर्ट आदेश से थाना कोतवाली टोंक में एफआईआर नंबर 293/2020 दर्ज कराई गई थी, जिसमें काफी सारे तथ्यों कों तोड़ मरोड़ कर लिखा गया था और काफी तथ्यों कों उनके लिखें इस्तगासे के अनुसार लिखा ही नहीं गया था और कुछ तथ्य पुलिस ने अपनी मर्जी से ही एफआईआर मे जोड़ कर लिख दिए थे जो उनके इस्तगासे मे थे ही नहीं! इससे एफआईआर के ज्यादातर तथ्य ही बदल गए थे और जिसका सीधा सीधा लाभ बाद में आरोपियों कों मिलने की पूरी पूरी संभावना हैं ये सारा गोरखधंदा जेल मे चौथ वसूली के आरोपियों कों बचाने के लिए उनसे मिल कर तत्कालीन कोतवाली टोंक के एसएचओ किशनलाल यादव, संबंधित एफआईआर दर्जकर्ता कमन्प्यूटर आपरेटर और जाँच अधिकारी एएसआई प्रभुसिंह राजावत ने किया था! जिसका पता लगते ही एडवोकेट तोमर ने इनकी शिकायतें 21/9/2020 कों आईजीपी अजमेर एसपी टोंक व थाना अधिकारी टोंक से लिखित में कर दी थी, उसके बाद भी उन्होंने दो बार इस बाबत शिकायतें मुख्यमंत्री सहित डीजीपी व अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व एसपी टोंक से लिखित में की थी, पर कोई कार्यवाही नहीं की गई क्योंकि तीनो आरोपी स्वयं पुलिसकर्मी थे मजबूरन उन्होंने इस बाबत पिछले दिनों फिर से सीजेएम कोर्ट टोंक में धारा 156/3 द.प्र.स. के तहत इस्तगासा पेश कर मुकदम्मा दर्ज कराने की गुहार लगाई! इस पर अदालत ने सभी तथ्यों का और दस्तावेजों का अवलोकन करने के पश्चात और एडवोकेट राजेंद्रसिंह तोमर की दलीले सुनने के बाद वर्तमान थाना अधिकारी टोंक कों आदेशित करते हुए उपरोक्त धाराओं के तहत उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध मुकदम्मा दर्ज कर जाँच उच्च अधिकारी से कराने के आदेश पारित किये हैं! कोर्ट आदेश के बाद थाना कोतवाली टोंक में एक नई एफआईआर नंबर 416/2021 भादस की भिन्न भिन्न उपरोक्त धाराओं के तहत दर्ज कर इस प्रकारण की जाँच सीओ टोंक सलेह मोहम्मद कों सौप दी गई हैं! ये दीगर बात हैं कि कोई व्यक्ति कभी जिस थाने मे एसएचओ रहा हो और थानेदार उसी थाने मे एक आरोपी के रूप में उस पर मुकदम्मा दर्ज हो जाए, पर इस बात से ये तो साबित होता हैं की कानून सबके लिए बराबर है! अब देखना होगा कि ये मामला क्या रंग लता हैं? क्या इतना सब होने के बावजूद भी दोषियों कों सजा मिलेगी या नहीं? ये भविष्य के गर्त में हैं! चाहे कुछ भी हो अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह तोमर ने टोंक जेल अधिकारियों की कार्य प्रणाली को संदेह के दायरे में लाकर कटघरे में खड़ा कर दिया है जो जनता की नजर में टोंक के खाकी के नुमाइंदों की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगाती हैं! बहरहाल जो भी इस सनसनीखेज मामले को आला अधिकारी गंभीरता से लेते हैं या फिर..?

होपमिरर चैंपियंस ट्रॉफी 2021 का धानसर गांव में सफलतापूर्वक आयोजन

होपमिरर चैंपियंस ट्रॉफी 2021, होपमिरर फाउंडेशन द्वारा धानसर, रायगढ़ में आयोजित एक क्रिकेट टूर्नामेंट। होपमिरर फाउंडेशन एक नवी-मुंबई स्थित एनजीओ है जो गरीबी उन्मूलन, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और बहुत कुछ के लिए काम कर रहा है। टीम ने रविवार 26 दिसंबर 2021 को क्रिकेट मैच का आयोजन किया।
संस्था का उद्देश्य खेल के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान एवं विकास करना है। होपमिरर चैंपियंस ट्रॉफी सभी टीमों के लिए खुली और मुफ्त थी। प्रतियोगिता में आंबेवाड़ी, वांगणी आदिवासी टीम सहित आसपास के 10 से अधिक स्थानीय गांवों ने भाग लिया। समारोह का उद्घाटन अरुणशेठ भगत और विक्रांत पाटिल, प्रल्हाद केनी जैसे राजनीतिक नेताओं और गुरु म्हात्रे, आमिर सैय्यद, ताहिर पटेल, नंदकिशोर म्हात्रे, सचिन पाटिल, अयूब शेख, प्रथमेश पाटिल भी उपस्थित थे। होपमिरर चैंपियंस ट्रॉफी 2021 की विजेता किरावली टीम, द्वितीय विजेता पिसार्वे टीम थी होपमिरर चैंपियंस ट्रॉफी 2021 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था और मैं सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देना चाहता हूं। मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से पिछड़े वर्ग को शामिल करते हुए खेलों को बढ़ावा देना था। कक्षाओं और आदिवासियों, इस प्रकार उन्हें प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, होपमिरर फाउंडेशन के अध्यक्ष रमजान शेख ने कहा।

राजस्थान में मावठ ने बढ़ाई ठिठुरन, लेकिन ग्राम विकास अधिकारी की परीक्षा में परीक्षार्थियों के गर्म कपड़े उतरवाए, क्या यह मानवाधिकारों का हनन नहीं है

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन
जयपुर। महिला परीक्षार्थियों की जांच सार्वजनिक तौर पर करना कितना उचित। वीडीओ के एक पद पर 382 अभ्यर्थी है। लेकिन इस बार नेट बंदी नहीं हुई। राजस्थान में हाड़ कपकपाने वाली सर्दी पड़ रही है। 26 दिसंबर की रात को मावठ यानी बरसात हो जाने से ठिठुरन और बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सर्दी का यह सितम 29 दिसंबर तक रहेगा।पहाड़ी इलाकों में लगातार बर्फबारी होने से तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। सर्दी के ऐसे ही माहौल में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 27 व 28 दिसंबर को ग्राम विकास अधिकारी के पद की लिखित परीक्षा ले रहा है। नकलची माने जाने वाले 6 जिलों को छोड़कर प्रदेश भर में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। लेकिन इतनी सर्दी के बाद भी परीक्षार्थियों के गर्म कपड़े परीक्षा केंद्र के बाहर ही उतरवा लिए गए। यहां तक कि जूते और मोजे भी खुला लिए गए। यदि किसी परीक्षार्थी ने सर्दी से बचने के लिए स्वेटर पहन रखा था, तो उसे भी खुलवा लिया गया। महिला परीक्षार्थी को गर्म शॉल तक नहीं पहनने दी गई। यह बात अलग है कि परीक्षा आयोजन में लगे कर्मचारियों और अधिकारियों ने सर्दी से बचने के लिए मोटे मोटे गर्म कपड़े पहन रखे थे। परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच करने वाले पुलिसकर्मियों ने वर्दी के ऊपर ही खादी रंग की जैकेट पहन रखी थी। सवाल उठता है कि क्या वीडीओ की परीक्षा देने वाले युवक युवतियों को सर्दी का अहसास नहीं होगा?आखिर नकल रोकने का यह कौन सा तरीका है, जिसमें भीषण सर्दी में भी गर्म कपड़े पहनने की इजाजत नहीं है? क्या इतनी तेज सर्दी में कोई परीक्षार्थी स्वास्थ्य दिमाग से परीक्षा दे सकता है?अभ्यर्थी सर्दी से बचे या फिर लिखित परीक्षा दे? क्या यह लाखों परीक्षार्थियों के मानवाधिकारों का हनन नहीं है? राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में महिलाओं के अधिकारों को लेकर बहुत दावे किए जा रहे हैं, लेकिन उसी प्रदेश में लड़कियों के गर्म कपड़े उतरवाए जा रहे हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अभ्यर्थियों ने 27 दिसंबर को किस मुसीबत में परीक्षा दी होगी। अधिकांश परीक्षा केंद्र सरकारी स्कूलों में बनाए गए हैं। ऐसे स्कूलों में खिड़कियों में दरवाजे तक नहीं है।परीक्षार्थियों को सर्द हवाओं का सामना करना पड़ा।

महिला परीक्षार्थियों की सार्वजनिक जांच: कोई परीक्षार्थी अपने साथ नकल का सामान तो नहीं लाया है, इसकी जांच परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े पुलिस कर्मियों ने मेटल डिटेक्टर से की। मेटल डिटेक्टर को पैर के नाखून से लेकर सिर के बाल तक रखा गया, ताकि संपूर्ण शरीर की जांच हो सके। ऐसी जांच एयरपोर्ट आदि स्थानों पर होती है, लेकिन महिलाओं की बंद कमरे में की जाती है या फिर कोई पर्दा लगाया जाता है, लेकिन 27 दिसंबर को वीडीओ की परीक्षा में महिला परीक्षार्थियों की जांच सार्वजनिक तौर पर की गई। न्यूज चैनलों पर इस जांच के वीडियो भी प्रसारित हुए। सवाल उठता है कि क्या महिला परीक्षार्थियों की सार्वजनिक जांच उचित है?

एक पद पर 382 अभ्यर्थी: राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने वीडीओ के 3 हजार 896 पदों के लिए आवेदन मांगे थे। अब 27 व 28 दिसंबर को होने वाले परीक्षा में 14 लाख 92 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत हुए। यानी एक पद पर 382 अभ्यर्थी है। प्रदेश में यह परीक्षा चार चरणों में हो रही है। एक दिन में दो चरण है। दो घंटे की पहली परीक्षा प्रात: 10 बजे से तो दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर ढाई बजे से हैं। नकल रोकने के लिए अभ्यर्थी का परीक्षा केंद्र उसके गृह जिले से 300 किलोमीटर दूर बनाया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का आरोप

आरएसएस मूल रूप से आरक्षण विरोधी है, भाजपा इसका पालन कर रही

संवाददाता/अशफाक युसुफ
बुलढाणा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 के अनुसार, ओबीसी के सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक अधिकार संविधान में निहित हैं।लेकिन बीजेपी ओबीसी आरक्षण को स्वीकार नहीं करती है.मोहन भागवत ने बिहार और राजस्थान में हुए चुनाव में यह बयान दिया है। चूंकि भाजपा ही मूल संघ है, इसलिए इसी मुल से बने प्रधानमंत्री इसका पालन करेंगे.वह 26 दिसंबर को खामगांव में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत नागपुर जिला परिषद ने 2017 में देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में की थी।ओबीसी को न केवल राज्य में बल्कि देश में भी बिना आरक्षण के सामना करना पड़ता है। आने वाले ओबीसी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जाएगा। राज्य अब विधानसभा में कानून को वापस लाने की ओर बढ़ रहा है और इस पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है। बीजेपी ने जिस तरह से ओबीसी एससीएसटी का आरक्षण खत्म करना शुरू कर दिया है। इसलिए कांग्रेस की भूमिका उनके असली चेहरे को लोगों के सामने लाने की होगी। जब दिल्ली से बीजेपी के 'उर्फ' पुणे आए तो उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह का हवाला देते हुए साफ तौर पर स्वीकार किया कि यह सरकार नहीं गिर सकती। इसलिए विपक्ष को अब जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए और सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने के बजाय ईमानदारी से विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए।

रानी लक्ष्मीबाई के वीरता पर आधारित वाक प्रतियोगिता में सीमा शुक्ला प्रथम आयीं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। रानी लक्ष्मी बाई जी के शौर्य और वीरता को याद करते हुए महिला सशक्तिकरण का आयोजन रेलवे ऑफीसर्स क्लब में रखा गया जिसमें वाक प्रतियोगिता रानी लक्ष्मीबाई के ऊपर आधारित जीवनी पर रखी गई जिसमें प्रथम स्थान आईं सीमा शुक्ला जो कि कार्मिक अनुभाग में चीफ ओएस हैं। इन्हें रानी लक्ष्मीबाई की वीरता की कहानियां बहुत पसंद है और यह कई बार हिंदी दिवस और कई इसी तरह के प्रतियोगिता में स्थान लातीं है! किसी तरह का भी टॉपिक हो यह हर विषय पर आधारित प्रतियोगिता में भाग लेती हैं! इस तरह के हर तरह के टोपिक में ये भाग लेती हैं। इसमें भी भाग लिया और उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार प्रिया कुमारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

चुनाव आते ही बड़े बड़े विकास कार्यों के सपने दिखाकर क्षेत्रीय जनता से किये जाते हैं वोट हासिल

संवाददाता/नदीम अख्तर
टाण्डा (रामपुर)। चुनाव का समय आने से पूर्व राजनीतिक दल अपने चुनावी मैदान में उतर कर चुनाव के दौरान जनता को तरह तरह के बड़े बड़े विकास कार्यो के सपने दिखाकर क्षेत्रीय जनता से वोट हासिल कर लिये जाते हैं चुनाव जीते जाने के उपरान्त जनता से किये गये विकास के वायदों को नकार कर खुलेआम जनता के साथ शोषण किया जाता हैं। विकास के नाम पर चारों तरफ भ्रष्टाचार आदि की भरमार रहती है गरीब जनता को अपनी हा.हाकार के चलते परेशानियों को झेलना पड़ती हैं। समस्याओं का निस्तारण एवं उनका निदान न होकर समस्याओं के जूझना पड़ता हैं क्षेत्रीय जनता को अपना प्रतिनिधि चुनने के उपरान्त भी उनके संघर्षो के चलते कोई लाभ तक नहीं मिल पाता हैं नगर का विकास नालें एवं नालियों से नहीं होता हैं जनप्रतिनिधियों द्वारा अपना एक प्लान तैयार कर जैसे विधार्थियों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डिग्री कालेज, एवं चिकित्सा सम्बंधित छोटे छोटे केन्द्रों की व्यवस्थाओं का कराया जाना साथ ही बड़ी बड़ी फैक्ट्रियों का उपलब्ध कराया जाना जिससे कमजोर वर्ग के लोग फैक्ट्रियों से जुड़कर अपनी जीविका चला सकें कमजोर एवं असहाय वर्ग के विधार्थी उनके पास धन अभाव की कमी होने के चलते इण्टर की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने घर बैठ जाते हैं और न ही उनसे आगे की ओर शिक्षा हासिल हो पाती हैं और न ही किसी प्रकार का डिग्री डिप्लोमा प्राप्त कर पाते हैं किसी भी प्रकार से कोई नौकरी आदि तक हासिल नहीं हो पाती हैं मजबूरन वह भी मजदूरी का शिकार होकर रह जाता हैं पूंजिपति अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई बड़े बड़े विशव विधालयों में प्रवेश दिलाकर हाई फाई डिग्रियां हासिल करा लेते हैं वहीं विधार्थी अपनी जीविका सही ढंग से चला पाते हैं इसमें भी जन प्रतिनिधि द्वारा किसी भी प्रकार का योगदान तक नहीं दिया जाता हैं जिससें कमजोर वर्ग के बच्चे डाक्टर एवं इंजीनियर बन सके यही हाल नगर पालिकाओं का हैं नगर के अन्दर खास तौर से नालें, नालियां एवं सड़कों के विकास कार्य को लेकर तवज्जों दी जाती हैं जनप्रतिधि एवं विभागीय अधिकारी कमीशन खौरी के चलते अपनी जेबें गरम करने में जुटे रहते हैं कमीशन खौरी का बाजार काफी.गर्म होकर रह जाता हैं सड़क नालें एवं नालियों का निर्माण कार्य मानक के अनुसार न कराकर खुलैतौर पर लूट खसौट की जाती हैं समय पहले ही कराया गया निर्माण कार्य ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच जाता हैं अधिकारियों आदि की सांठ गांठ के चलते सरकारी धन को कमीशन खौरी का रूप अपनाकर लूटा जा रहा हैं किसी के माध्यम से कराये गये निर्माण कार्यो को लेकर जांच कर्ता की जेब गरम कर उसको वापस भेज दिया जाता हैं मात्र खाना पूरी कर कमीशन एवं भृष्ठाचारी चरम सीमाओं पर हैं अधिकारीयों द्वारा ही भृष्ठाचारी को बढ़ावा दिया जाता हैं जिसपर रोक लग पाना कठिन कार्य साबित हो पा रहा हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धूमधाम से मनाया गया रिंकू उपाध्याय के बेटी का जन्मदिन

सांसद रितेश पांडे के साथ जमाल खान व जहीर खान

सांसद रितेश पांडे, जमाल अहमद खान व जहीर खान ने जन्मदिन के अवसर पर पहुंच कर रिंकू उपाध्याय की बेटी को दिया आर्शीवाद

संवाददाता / आरिफ खान

अम्बेडकर नगर। आशुतोष उर्फ रिंकू उपाध्याय ने ग्राम बड़ेपुर आवास पर 26 दिसंबर को अपनी बेटी का जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मनाया। रिंकू उपाध्याय ने बेटी के जन्मदिन के अवसर पर ऐसा जश्न मनाया की लोग देखते रह गए। घर को गुब्बारे व फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। कोरोनाकाल में हुए इस आयोजन में पूरा एहतियात बरता गया। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हुआ। सभी छोटे बड़ों ने रिंकू उपाध्याय की बेटी के जन्मदिन के अवसर पर पहुंचकर आर्शीवाद दिया। इस अवसर पर जिला अम्बेडकरनगर के बसपा सांसद रितेक पांडे ने रिंकू उपाध्याय के आवास पर पहुंचकर बेटी को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी। साथ ही इस मौके पर

गुलामी खां मदरसा के मैनेजर जमाल अहमद खान व बसपा पार्टी के कार्यकर्ता जहीर खान ने रिंकू उपाध्याय के बेटी को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उनके आवास पहुंचे। सभी ने बेटी को आर्शीवाद देते हुये लंबी उम्र की शुभकामनाएं दी। साथ ही गुलामी खां मदरसा के मैनेजर जमाल अहमद खान व बसपा पार्टी के कार्यकर्ता जहीर खान ने बसपा सांसद रितेक पांडे से कार्यक्रम के अंत में मुलाकात कर क्षेत्र की विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।

नगदी 300 करोड़ रुपए तक पहुंची, एक साथ नोटों की चार गड्डियां गिनने वाली मशीन मनाई, 100 किलो सोना चांदी भी

इतनी धन दौलत के मालिक पीयूष जैन को काकादेव पुलिस थाने के फर्श पर सोना पड़ा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर और कन्नौज के बहुचर्चित इत्र कारोबारी पीयूष जैन के ठिकानों से अब तक 300 करोड़ रुपए नगद बरामद किए जा चुके हैं। नोटों का मिलना लगातार जारी है। इसलिए अब आयकर विभाग और जीएसटी इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने एक साथ नोटों की चार गड्डियां गिनने वाली मशीन मंगाई है। पहले एक समय में एक गड्डी की कितनी हो रही थी। इसमें समय अधिक लग रहा था। अब मशीन में चार गड्डियां एक साथ डाली जाती है। यही वजह है कि अब नगदी का आंकड़ा 300 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। जानकारों के अनुसार 100 किलो सोना चांदी भी मिला है। चांदी तो बोरियों में भरी मिली है। गंभीर बात यह है कि नगदी और

आखिर गुटखा कारोबारियों के नाम उजागर क्यों नहीं हो रहे हैं

सोना-चांदी मिलने का सिलसिला जारी है। यह पहला अवसर है, जब किसी एक कारोबारी के ठिकानों से 300 करोड़ रुपए की नगद राशि मिली है। जीएसटी इंटेलिजेंस ने इत्र कारोबारी पीयूष जैन को 26 दिसंबर को ही गिरफ्तार कर लिया था। इतनी धन दौलत के मालिक पीयूष जैन ने 26 दिसंबर की रात कानपुर के काकादेव पुलिस स्टेशन के फर्श पर गुजारी। पुलिस ने जैन को लॉकअप में रखने के बजाए थाने के इंस्पेक्टर के कक्ष में सुलाया।जमीन पर बिछाने के लिए एक दरी और ओढ़ने के लिए चद्दर दिया गया। पुलिस कर्मियों को भी इस बात पर आश्चर्य हो रहा था कि जो पीयूष जैन अपने घर में सोने चांदी के पलंग और नोटों की गड्डियों पर सोता रहा,उसे आज पुलिस थाने के फर्श पर सोना पड़ रहा है।

गुटखा कारोबारियों की भूमिका: जानकार सूत्रों के अनुसार पीयूष जैन किसी भी प्रकार से इत्र बनाने का काम नहीं करता है ।जैन निमार्ताओं से इत्र खरीदकर उत्तर प्रदेश के गुटखा कारोबारियों को सप्लाई करता है। पीयूष जैन की भूमिका गुटखा कारोबारियों और इत्र निमार्ताओं के बीच दलाल की है। लेकिन निमार्ताओं और गुटखा कारोबारियों का भरोसा पीयूष जैन पर है। गुटखा बनाने में इत्र के फ्रेग्रेंस की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। सुगंध से ही यह पता चलता है कि गुटखा रजनीगंधा का है या पान पराग का ।पीयूष जैन शिखर गुटखा को भी उसके ग्राहकों के मिजाज के अनुरूप फ्रेग्रेंस की सप्लाई करता है। चूंकि कन्नौज में इत्र का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है और कानपुर में देश के मशहूर गुटखा कंपनियों की फैक्ट्रियां हैं, इसलिए पीयूष जैन के ठिकाने कन्नौज और कानपुर में हैं। जीएसटी इंटेलीजेंस के अधिकारी भी मानते हैं कि इतनी नगदी और सोना-चांदी अकेले पीयूष जैन की नहीं हो सकती। इसके पीछे गुटखा कारोबारियों की भूमिका है। हो सकता है कि बरामद नगदी के मालिक गुटखा कारोबारी भी हों। यहां यह उल्लेखनीय है कि गत 20 दिसंबर को जीएसटी इंटेलिजेंस की गुजरात शाखा ने एक मशहूर गुटखे के दो ट्रक अहमदाबाद में जब्त किए थे। तब यह मामला जीएसटी चोरी का था। लेकिन बाद में पीयूष जैन की भूमिका सामने आई तो इंटेलिजेंट ने सबसे पहले जैन के कन्नौज स्थित आवास पर जांच पड़ताल की। यह जांच पड़ताल 23 दिसंबर को शुरू हुई थी और 27 दिसंबर तक जैन के ठिकानों से नगदी मिलने का सिलसिला जारी है ।अब इंटेलिजेंट के अधिकारी पीयूष जैन को रिमांड पर लेकर आगे की जांच पड़ताल करेंगे।

बुलढाणा जिले में नए प्रतिबंध जारी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमण की लगातार बढ़ती रफ्तार के चलते राज्य सरकार ने रात 9 से सुबह 6 बजे तक के दौरान निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इसे देखते हुए बुलढाणा जिले में भी जिलाधिकारी ने वैसे ही प्रतिबंधक आदेश जारी किए हैं। विवाह समारोह, अन्य त्यौहार व नए वर्ष मनाने के उपलक्ष्य में नागरिकों की भीड़ होने की संभावना है। इससे जिलाधिकारी तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एस रामामूर्ती 26 दिसंबर से जिले में नए प्रतिबंध जारी किए हैं। ओमिक्रॉन संकट के चलते अबविवाह समारोह (सभागृह) में एक ही समय केवल 100 व्यक्ति उपस्थित रहने की सीमा रखी गई है। खुले जगह में 250 अथवा जगह की क्षमता के मद्देनजर 25 प्रतिशत यानी इसमें से जो कम होगी वह लागू रहेगी। अन्य सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक कार्यक्रम के लिए उपस्थितों की संख्या केवल 100 रखी गई है। खुली जगह में 250 होगी खेल स्पर्धा, खेल समारोह के लिए कार्यक्रम स्थल के सीटों की क्षमता के 25 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति नहीं होगी। जिम, स्पा,

उपहारगृह, सिनेमागृह, नाट्यगृह में क्षमता के अनुसार 50 प्रतिशत उपस्थिति होगी। जिले में रात 9 से सुबह 6 के बीच सार्वजनिक स्थानों पर पांच से अधिक व्यक्ति इकट्ठा होने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा स्थानीय हालात पर विचार करते हुए आवश्यकता के अनुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जनता को पूर्व सूचना देते हुए अतिरिक्त प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। आदेश पर संबंधित प्रशासकीय विभाग, स्थानीय स्वायत्त संस्थाएं कड़ा अमल करें आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधितों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005, संक्रामक प्रतिबंधक कानून 1897 के प्रावधान के तहत भारतीय संविधान संहिता, 19860 की धारा 188 व महाराष्ट्र कोविड -19 उपाय योजना नियम 2020 के प्रावधान के अनुसार के कार्रवाई की जाएगी।

मोरिंगा पाउडर से बूस्ट होगा स्टेनिमा, कैंसर से भी करेगा बचाव

मोरिंगा या सहजन की सब्जी तो आपने भी खाई होगी। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इस सब्जी का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन आज हम आपको इसकी पत्तियों से बनने वाले पाउडर के बारे में बताने जा रहे हैं। काबोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन्स और बी-काम्प्लेक्स से भरपूर होने के कारण इस पाउडर को रोजाना लेने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर रहती है। चलिए जानते हैं मोरिंगा पाउडर से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

मोरिंगा पाउडर में 42% प्रोटीन, 125% कैल्शियम, 61% मैग्नीशियम, 41% पोटेशियम, 71% आयरन, 310% विटामिन ए और 22% विटामिन सी होता है। इसके अलावा इसमें 46% एंटीऑक्सीडेंट और 36% एंटी-इंफ्लामेट्री और 90% अन्य न्यूट्रिशन पाए जाते हैं, जिससे आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं।

मोरिंगा पाउडर के फायदे

1. मजबूत इम्यून सिस्टम - मोरिंगा पाउडर का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के साथ-साथ मेटॉबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है। इससे आप मोटापे के साथ पेट, लीवर, ब्रेन और आंखों की समस्याओं से भी बचे रहते हैं।

2. बूस्ट स्टेमिना - विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण इसका सेवन स्टेनिमा को भी बूस्ट करता है। इतना ही नहीं, यह शरीर में ऊर्जा बढ़ाकर वजन घटाने में भी मदद करता है।

3. कैंसर से बचाव - इसमें एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल नामक तत्व होता है, जोकि शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है। अगर आप भी कैंसर से बचे रहना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन करें।

4. डायबिटीज को करें कंट्रोल - डायबिटीज मरीजों के लिए इसका सेवन बहुत फायदेमंद हैं क्योंकि मोरिंगा कैप्सूल या इसके पाउडर से बनी चीजों का सेवन करने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है।

5. कोलेस्ट्रॉल को करें कम - इसका सेवन छऊछ कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करता है और शरीर में रक्त के थक्के बनने से रोकता है। इससे दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

6. हाई ब्लड प्रेशर - मोरिंगा पाउडर में मौजूद न सिर्फ ब्लड प्रैशर की समस्या को दूर करता है बल्कि इससे नींद भी अच्छी आती है। हाई ब्लड प्रैशर और अनिद्रा की समस्या को दूर करने के लिए सबसे बेहतरीन उपाय है।

7. बॉडी को करें डिटॉक्स - स्वस्थ रहने के लिए शरीर को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। ऐसे में इस पाउडर को पानी में मिलाकर पीने से शरीर के अंदर के मौजूद विषैले पदार्थ यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाएंगे।

8. डिप्रेशन को रखें दूर - मोरिंगा पाउडर डिप्रेशन और चिंता को दूर करने में भी मददगार होता है। इसे अपनी डाइट में शामिल करें और कुछ दिनों में ही आपको इसका असर दिखने लग जाएगा।

9. स्किन के लिए भी है फायदेमंद - मोरिंगा पाउडर का फेस पैक चेहरे पर लगाने से मुहांसे, दाग-धब्बे और पिंपल्स जैसी समस्याएं दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे त्वचा को भरपूर पोषण भी मिलता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

10. सर्दी खांसी को भी रखें दूर - इस मौसम में सर्दी-खांसी, जुकाम, वायरल इंफैक्शन जैसी समस्याएं आम देखने को मिलती है। मगर इस पाउडर का सेवन इन प्रॉब्लम को भी दूर करता है।

सहजन की सब्जी खाने से भी मिलते हैं कई फायदे

➤डायबिटीज का काल

सहजन से बनी सब्जी खाने से शरीर में रक्त संचार बेहतर तरीके से होता है, जिससे बल्ड शुगर कंट्रोल में रहती है। इसके अलावा इस सब्जी का सेवन प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

➤विटामिन-सी से भरपूर

संतरे के मुकाबले, सहजन की सब्जी में 7 गुणा ज्यादा विटामिन सी होता है। इससे आप सर्दी-खांसी के साथ बैक्टीरियल इंफैक्शन से भी बचे रहते हैं। इसके अलावा तेज जुकाम या नाक बंद होने पर सहजन को उबालकर उसकी भाप लेने से आराम मिलता है।

➤गर्भावस्था में फायदेमंद

कैल्शियम, कैरोटीन फॉस्फोरस और विटामिन्स होने के कारण प्रैग्नेंसी में इसका सेवन बहुत फायदेमंद है। अगर आप इसकी सब्जी नहीं खाना चाहते तो आप इसका पानी भी उबालकर पी सकते हैं।

➤हड्डियां को करें मजबूत

कैल्शियम से भरपूर होने के कारण इसका सेवन हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसके अलावा इसके नियमित सेवन से गठिया व जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है।

होंठों को क्यों करना चाहिए एक्सफोलिएट? जानें सही तरीका

चेहरा हो या होठों की स्किन, कुछ समय बाद इन पर डेड स्किन जमा होने लगते हैं, जिसे हटाना बहुत जरूरी है। होठों पर जमा डेड स्किन को साफ न करने से वह काले होने लगते हैं, जो देखने में काफी भद्दा लगता है। ऐसे में होंठों की डेड स्किन निकालने के लिए उसे एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी है। होंठों को सूखी और मृत त्वचा को निकालने के लिए उसे एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। एक्सफोलिएशन करने से होंठ न सिर्फ मुलायम होंगे बल्कि इससे उनका कालापन भी दूर होगा। चलिए जानते हैं कैसे करें होंठों को एक्सफोलिएट।

कैसे करें होंठों को एक्सफोलिएट?

सही स्क्रब का इस्तेमाल

होंठों पर ऐसे स्क्रब का इस्तेमाल करें, जिसमे ज्यादा हार्ड कैमिकल्स न हो। जोजोबा ऑयल और शिया बटर को मिलाकर आप होंठों के लिए नेचुरल लिप स्क्रब तैयार कर सकते हैं। इस नेचुरल स्क्रब से होंठ न सिर्फ मुलायम होंगे बल्कि उनका कालापन भी दूर हो जाएगा। इसके अलावा आप चीनी-जैतून का तेल या चीनी-शहद को मिलाकर भी लिप स्क्रब कर सकते हैं।

हल्के हाथों से करें स्क्रब

होंठों पर ज्यादा सख्ती से स्क्रब न करें। इसके लिए अपनी उंगलियों को सकुर्लेशन मोशन में होंठों पर घुमाएं और उसके स्क्ब को टिश्यू पेपर से साफ कर लें।

रोजाना न करें स्क्रब

एक्सफोलिएट करना अच्छी बात है लेकिन स्क्रब का इस्तेमाल रोजाना न करें। आप हफ्ते में कम से कम 2 बार स्क्रब करें।

स्क्रबिंग के बाद लगाएं मॉइस्चराइज

एक्सफोलिएट करने के बाद होंठों पर मॉइस्चराइज जरूर लगाएं। आप चाहें तो इसकी बजाए लिप बाम या पेट्रोलियम जेली भी लगा सकते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

☞होंठों पर ऐसा लिप बाम और लिपस्टिक्स लगाएं, जिनमें एसपीएफ की मात्रा 20 हो। इससे होंठ खराब नहीं होंगे।

☞पानी की कमी के कारण होंठों की नमी खो जाती है, जिससे वो रूखे और काले होने लगते हैं। ऐसे में हर रोज कम से कम 8 गिलास पानी जरूर पीएं।

☞खाने, नहाने या चेहरा धोने के बाद लिप बाम जरूर लगाएं। इसकी बजाए आप बटर या मलाई भी लगा सकते हैं।

☞मौसम चाहे कोई भी हो लेकिन होंठों पर उसका इफेक्ट न हो इसके लिए शरीर में विटामिन ए और बी कॉम्प्लेक्स की कमी न होने दें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, दूध, घी, मक्खन, ताजे फल और जूस शामिल करें।

☞रात को सोने से पहले अपनी नाभि में देसी घी, सरसों का तेल या फिर नारियल का तेल लगाएं। इससे होंठों में नमी बनी रहेगी और वह फटेंगे नहीं।

सर्दियों की स्किन प्रॉब्लम दूर रखेगा होममेड क्रेनबेरी फेशियल मास्क

खट्टे-मीठे स्वाद वाली क्रेनबेरी ब्यूटी के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं जो सर्दियों में होने वाली स्किन इंफैक्शन से बचाव रखती है। क्रेनबेरी फेशियल मास्क स्किन को मृत कोशिकाओं को एक्सफॉलिएट और मॉइश्चराइज करके झुर्रिया कम करने में मददगार है। आइए जानें किस तरह स्टेप-बाय- स्टेप करें क्रेनबेरीज फेशियल मास्क का इस्तेमाल।

कैसे बनाए क्रेनबेरी मास्क

10-15 क्रेनबेरीज
2 टेबलस्पून शहद
2 टेबलस्पून आर्गन ऑयल

इस फेशियल मास्क में इस्तेमाल होने वाली क्रेनबेरीज त्वचा के कुदरती ऑयल नष्ट किए बना चेहरे को साफ करते हैं। शहद स्किन के दाग-धब्बे साफ करता है और ऑर्गन ऑयल मॉइश्चराइजर का काम करता है।

1. क्रेनबेरीज को पानी से धोकर इसमें शहद मिलाकर मिक्सी में पेस्ट बना लें।

2. इसके बाद इसमें ऑर्गन ऑयल डालकर मिक्स करें।

3. इस मॉस्क को चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगाएं।

4. 10 मिनट बाद चेहरे की धीरे-धीरे मसाज करें ताकि डेड स्किन एक्सफॉलिएट हो जाए।

5. इसके बाद ठंड़े पानी से चेहरा धोकर साफ कर लें। यह फेस मॉस्क आप रोजाना रात के समय इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्वरा भास्कर कभी नहीं करेंगी शादी ?

अपने बोल्ड और बिंदास एटिट्यूड के लिए जानी जाने वालीं ऐक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने जब हाल ही सिंगल मदर बनने का फैसला किया तो कुछ लोग हैरान रह गए। सोशल मीडिया पर एक वर्ग में इस बात की चर्चा होने लगी कि आखिर स्वरा ने ऐसा फैसला क्यों किया? खुद स्वरा ने भी एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि लोग उनसे अजीब तरह के सवाल पूछ रहे हैं। कोई पूछ रहा है कि किससे शादी करोगी तो कोई इस बात की चिंता कर रहा है कि स्वरा कब शादी करेंगी। लेकिन स्वरा भास्कर का कहना है कि वह किसी (ऐसे इंसान से शादी करके घर नहीं बसाना चाहतीं, जिससे उन्हें प्यार नहीं है। आम दुनिया में ही नहीं बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ ऐक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने शादी नहीं की और बच्चे गोद लिए। एक बच्चे की परवरिश में मां और बाप दोनों का अहम रोल होता है। दोनों पैरंट्स मिलकर बच्चे के भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। लेकिन स्वरा ऐसा होना जरूरी नहीं मानतीं। स्वरा भास्कर ने इस बारे में कहा, 'दो माता-पिता तभी आदर्श होते हैं जब वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं और वो एक-दूसरे से सहमति रखते हैं। ऐसे बहुत से बच्चे हैं जो टूटे हुए परिवारों में बड़े होते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि सिंगल पैरंट बनें और बच्चे की स्वस्थ वातावरण में परवरिश करें। हमारे समाज में सिंगल पैरंट्स द्वारा बच्चे गोद लेने के कई अच्छे उदाहरण हैं। भगवान कृष्ण को देखें, उनका पालन-पोषण मां यशोदा ने किया था, जो उनकी बायोलॉजिकल मां नहीं थीं।

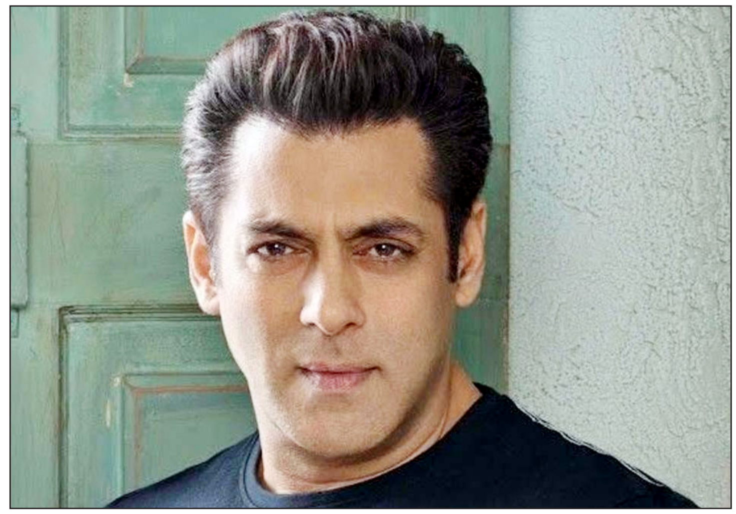

शाहरुख के साथ एक फिल्म में नजर आ सकते हैं सलमान

सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कहा कि इस बात की संभावना है कि वह और उनके करीबी मित्र सुपरस्टार शाहरुख खान एक फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। इससे पहले, दोनों अभिनेता एक-दूसरे की आगामी फिल्मों 'टाइगर 3' और 'पठान' में अतिथि भूमिका में नजर आएंगे। यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) की 'टाइगर 3' इस कड़ी में सलमान खान की तीसरी फिल्म होगी, जिसमें सलमान टाइगर नामक जासूस का किरदार निभाएंगे जबकि कैटरीना कैफ एक बार फिर जोया की भूमिका में दिखेंगी। फिल्म में इमरान हाशमी खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। वाईआरएफ एक्शन पर आधारित शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'पठान' का भी समर्थन कर रहा है, जिसमें सलमान अतिथि भूमिका में नजर आएंगे। ऐसी खबरें हैं कि दोनों फिल्में जासूसों पर आधारित होंगी, जिसके चलते दोनों अभिनेता साथ दिखाई देंगे। सलमान ने अपने 56वें जन्मदिवस पर पनवेल में स्थित फार्महाउस के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'टाइगर 3' दिसंबर 2022 में रिलीज होगी। उन्होंने एक अन्य फिल्म में शाहरुख के साथ नजर आने की बात भी कही।

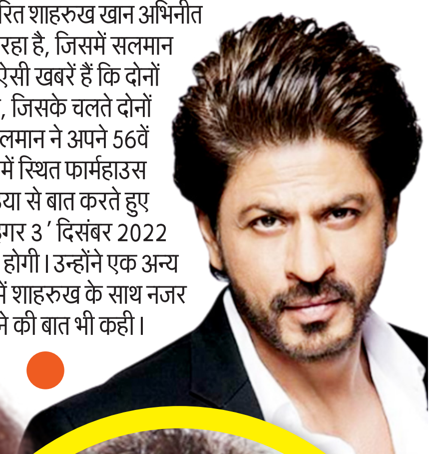

ट्विंकल खन्ना ने खोला राज

ट्विंकल खन्ना ऐक्ट्रेस हैं। डिंपल कपाड़िया और राजेश खन्ना की बेटी हैं। अक्षय कुमार इनके पति हैं। कई किताबें लिख चुकी हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। चर्चित मुद्दे पर लिखती रहती हैं। हाल ही में इनका और जैकी श्रॉफ का एक इंटरव्यू आया। दोनों एक यूट्यूब चैनल पर साथ में बातचीत करते नजर आए। इस दौरान दोनों ने कुछ-कुछ ऐसी बातें बताईं, जो थोड़ी हैरान करती हैं। बातचीत के दौरान दोनों ही सेलेब्स ने लाइफ के कई खुलासे किए। जैकी श्रॉफ ने बताया, 'जब मैं 10 साल का था, तभी मेरे भाई की मौत हो गई थी। उस समय वह 17 साल का था। इसी पर ट्विंकल भी ऐसा ही किस्सा सुनाती हैं। बताती हैं उनकी अक्षय कुमार से शादी को लेकर एक ज्योतिष ने पापा राजेश खन्ना के सामने भविष्यवाणी की थी। ऐक्ट्रेस बताती हैं, पापा के पास एक ज्योतिष आए और उन्होंने कहा कि आपकी बेटी अक्षय कुमार से शादी करेगी। जबकि मैं तो उस समय अक्षय को जानती भी नहीं थी। इसके बाद दोनों की 2001 में शादी हुई और आज दो बच्चे हैं। ट्विंकल बताती हैं कि शादी के बाद फिर वही ज्योतिष राजेश खन्ना अपने साथ घर ले आए थे। वहां उन्होंने भविष्य को लेकर कहा था कि ऐक्ट्रेस राइटर बनेगी। ट्विंकल का कहना था कि उन्होंने 20 सालों से कुछ लिखा नहीं था। और ज्योतिष राइटर बनने की बात कर रहा था। 'मुझे लगा कि वह इंसान पका रहा है, लेकिन अब देखो।